6 आर्थिक नियोजन

C74T56

आओ, सीखें

- आर्थिक नियोजन का परिचय
- कर संरचना
- बचत और निवेश
- आयकर–गणन

आओ, चर्चा करें

अनघा : हम संगणक खरीदें क्या ?
माँ : हाँ, खरीदना है पर अगले वर्ष ।
अनघा : लेकिन इस वर्ष क्यों नहीं ?
माँ : उसका मूल्य कुछ कम नहीं होता ?
अनघा : मतलब, पैसे बचाने पड़ेंगे, ऐसा ही ना ?
माँ : हाँ ।

हमारे आसपास इस प्रकार की अनेक बातचीत कानों में सुनाई देती है ।

हर व्यक्ति को अपनी विविध जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसों की आवश्यकता होती है । इसलिए वर्तमान की अत्यावश्यक जरूरतों को पूरा करके अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति पैसा बचाने की कोशिश करता है । इसी को हम 'बचत' करना ऐसा कहते हैं । बचत सुरक्षित रहे तथा इसमें वृद्‌धि हो इसलिए उसे हम 'जमा' करते हैं अथवा जमीन, मकान आदि अचल (स्थिर) पूँजी खरीदते हैं । इसी को 'निवेश करना' भी कहा जाता है ।

हर एक निवेशक आवश्यकतानुसार रकम खर्च करता है और शेष रकम की बचत करता है । वैसे ही बचत की हुई रकम (राशि) पूर्णतः सोच समझकर उसका निवेश करता है । इसे '**आर्थिक नियोजन**' कहते हैं । संपत्ति (आय) वृद्‌धि और सुरक्षितता आर्थिक नियोजन के मुख्य प्रयोजन है ।

प्रत्येक के जीवन में आने वाली **अपेक्षित** और **अनपेक्षित** घटनाओं के लिए प्रावधान स्वरूप **आर्थिक नियोजन** का उपयोग होता है । नीचे कुछ उदाहरण दिए गए है ।

अपेक्षित घटना	अनपेक्षित घटना
(1) बच्चों की शिक्षा और उससे संबंधित अन्य खर्च	(1) प्राकृतिक विपदा
(2) व्यवसाय के लिए पूँजी	(2) परिवार के किसी सदस्य की बीमारी
(3) वाहन खरीदने के लिए	(3) दुर्घटना से हुई हानि
(4) मकान बनाना अथवा खरीदना	(4) आकस्मिक मृत्यु
(5) वृद्‌धावस्था की आवश्यकताएँ	

आर्थिक नियोजन जरूरी क्यों है, इसका जवाब उपरोक्त घटनाओं या अन्य कारणों से मिलता है । आर्थिक नियोजन करते समय कुछ घटक ध्यान में रखना जरूरी है ।

आओ, जानें

बचत (Savings)

(1) बचत सुरक्षित रखना तथा उसमें वृद्धि होना हितकर होता है । आपकी बचत की हुई राशि बैंक या डाकघर में सुरक्षित रहती है । बैंक के बचत खाते में जमा हुई राशि का नकद रहित (cashless) व्यवहार करना आसान होता है । ऐसे व्यवहारों के कारण अपने पास अधिक नकद राशि नहीं जमा करनी पड़ती और वह राशि गुम या चोरी होने का भी डर नहीं रहता ।

(2) हमारे पास बचत राशि नकद रूप में होगी और उसका निवेश न करते हुए अगर उसे अपने पास ऐसे ही जमा रखें तो उसका मूल्य कालानुसार कम हो जाता है अर्थात वस्तु खरीदने की उस राशि की क्षमता (Purchasing power) कम हो जाती है । (उदा. आज अगर 10 रुपये में 2 पेंसिल मिलती है तो कुछ सालों बाद उसी मूल्य में एक ही पेंसिल मिलेगी ।) इसलिए बचत का योग्य स्थान पर निवेश कर उसमें वृद्धि होना आवश्यक है ।

(3) बचत की हुई राशि का व्यवसाय में वृद्धि, नए उद्योग आरंभ करने जैसे कामों के लिए उपयोग किया जाए तो राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है ।

(4) कुल आय में से बचत का कुछ हिस्सा समाज कार्य के लिए खर्च करें तो सभी को उसका दूरगामी लाभ प्राप्त होगा ।

(5) आवश्यकतानुसार खर्च करने के पश्चात एवं अपने सुख-साधनों पर होने वाला खर्च कम करके शिक्षा और वैद्यकीय उपचार आदि के लिए बचत करना हितकारी होता है ।

आओ, चर्चा करें

उपरोक्त चित्र का निरीक्षण कीजिए । निवेश के कुछ तरीके सुझाए गए हैं इनपर चर्चा कीजिए । इसके अलावा और कौन-से तरीके हो सकते हैं इसकी जानकारी लीजिए और चित्र के रिक्त स्थानों में लिखिए ।

आओ, जानें

निवेश(Investments)

निवेश के अनेक प्रकार हैं । निवेशक बैंक, डाकघर जैसी आर्थिक व्यवहार करने वाली संस्थाओं में निवेश करना पसंद करते हैं क्योंकि वहाँ राशि अधिक सुरक्षित होती है । शेअर्स, म्युच्युअल फंड आदि में निवेश करने में थोड़ा जोखिम होता है क्योंकि जिस उद्योग के लिए राशि का निवेश किया जाता है उस उद्योग में हानि होने पर निवेश की गई राशि में कमी होती है । इसके विपरित लाभ होने पर राशि सुरक्षित रहती है और लाभांश मिलता है ।

निवेशक को निवेश करते समय दो प्रमुख मुद्दों पर विचार करना जरूरी है । एक तो जोखिम और दूसरा लाभ । अधिक जोखिम उठाकर निवेशक अधिक लाभ प्राप्त कर सकता है किंतु अधिक जोखिम होने के कारण हानि भी हो सकती है, इसे ध्यान में रखना होगा ।

निम्नलिखित आय और निवेश पर आधारित हल किए हुए उदाहरणों का अध्ययन कीजिए ।

उदा.(1) श्यामराव का 2015-16 के सभी प्रकार के करों का भुगतान करने के पश्चात वार्षिक आय 6,40,000 रुपये है । वे हर महिने 2,000 रुपये बीमा की किश्त जमा करते हैं । वार्षिक आय का 20% हिस्सा वे भविष्य-निर्वाह निधि में जमा करते हैं । आपातकालीन खर्चा करने के लिए प्रति माह 500 रुपये अलग से रखते हैं तो वर्षभर उनके पास खर्चा करने के लिए कितनी राशि शेष रहती है ?

हल : (i) श्यामराव जी की वार्षिक आय = 6,40,000 रुपये

(ii) बीमा के लिए नियोजन = $2000 \times 12 = 24,000$ रुपये

(iii) भविष्य निर्वाह निधि में जमा की हुई रकम = $6,40,000 \times \frac{20}{100} = 1,28,000$ रुपये

(iv) आपातकालीन खर्च करने के लिए जमा राशि = $500 \times 12 = 6000$ रुपये

$\therefore$ कुल नियोजित राशि = $24,000 + 1,28,000 + 6,000 = 1,58,000$ रुपये

$\therefore$ वार्षिक खर्च करने के लिए शेष राशि = $6,40,000 - 1,58,000 = 4,82,000$ रुपये

उदा.(2) श्री शहा ने 3,20,000 रुपये बैंक में 10% चक्रवृद्धि ब्याज की दर से 2 वर्ष के लिए जमा किए । उसी प्रकार उन्होंने 2,40,000 रुपये कर मुक्त म्युच्युअल फंड में भी निवेश किए । बाजार मूल्यानुसार 2 वर्ष बाद उन्हें 3,05,000 रुपये मिले तो उन्हें कितना लाभ हुआ? और कौन-सा निवेश अधिक लाभदायी हुआ ?

हल : (i) चक्रवृद्धि ब्याज से जमा की हुई राशि का ब्याज सर्वप्रथम निकालते हैं ।

चक्रवृद्धि ब्याज = मिश्रधन - मूलधन

अर्थात $I = A - P$

$$= P\left(1+\frac{r}{100}\right)^n - P$$

$$= P\left[\left(1+\frac{r}{100}\right)^n - 1\right]$$

$$= 3,20,000\left[\left(1+\frac{10}{100}\right)^2 - 1\right]$$

$= 3,20,000 \left[(1.1)^2 - 1\right]$

$= 3,20,000 \left[1.21 - 1\right]$

$= 3,20,000 \times 0.21$

$= 67,200$ रुपये

शहा जी ने 3,20,000 रुपये बैंक में निवेश किया जिससे पश्चात उन्हें 67,200 रुपये ब्याज मिला ।
प्राप्त ब्याज जमा राशि के कितने प्रतिशत होता है, यह हल कीजिए ।

ब्याज के प्रतिशत $= \frac{100 \times 67200}{3,20,000} = 21$ ∴ बैंक में निवेश करने के कारण 21% लाभ प्राप्त हुआ ।

(ii) म्युच्युअल फंड से 2 वर्ष बाद प्राप्त हुई रकम = 3,05,000 रुपये

∴ म्युच्युअल फंड से प्राप्त लाभांश = 3,05,000 – 2,40,000 = 65,000 रुपये

∴ लाभांश प्रतिशत = $\frac{65000 \times 100}{2,40,000} = 27.08$

म्युच्युअल फंड में निवेश करने के कारण उन्हें 27.08% लाभ प्राप्त हुआ ।
इससे यह जानकारी प्राप्त होती है कि श्री शहा जी का म्युच्युअल फंड में निवेश अधिक लाभदायक था ।

उदा. (3) करीमभाई ने काँच उद्योग में 4,00,000 रुपयों का निवेश किया । 2 वर्ष बाद उन्हें उस उद्योग से 5,20,000 रुपये प्राप्त हुए । निवेश की राशि छोड़कर प्राप्त लाभांश उन्होंने 3 : 2 अनुपात में क्रमश: संचयी जमा और शेअर्स में निवेश किया उन्होंने प्रत्येक मद में कितनी राशि निवेश की ?

हल : करीमभाई को 2 वर्ष बाद प्राप्त लाभांश = 5,20,000 – 4,00,000 = 1,20,000 रुपये

सावधी में निवेश की राशि $= \frac{3}{5} \times 1,20,000$

$= 3 \times 24,000$

$= 72,000$ रुपये

शेअर्स में निवेश की हुई राशि $= \frac{2}{5} \times 1,20,000$

$= 2 \times 24,000$

$= 48,000$ रुपये

करीमभाई ने सावधी जमा राशि और शेअर्स दोनों में क्रमश: 72,000 और 48,000 रुपयों का निवेश किया ।

उदा.(4) अनिल की मासिक आय और खर्च का अनुपात 5:4 है । अमन का वही अनुपात 3:2 है । इसी प्रकार अमन की मासिक आय का 4% अनिल के मासिक आय के 7% जितनी है । अगर अनिल की मासिक आय 9600 रुपये हो,

(i) अमन की मासिक आय ज्ञात कीजिए । (ii) अनिल और अमन की बचत ज्ञात कीजिए ।

हल: हम जानते हैं कि बचत = आय – व्यय

अनिल की आय और व्यय का अनुपात 5 : 4 — अमन की आय और व्यय का अनुपात 3 : 2

माना अनिल की आय $5x$ । — माना, अमन कीआय $3y$ ।

तथा अनिल का व्यय $4x$ है । — तथा अमन का व्यय $2y$ ।

अनिल की मासिक आय 9600 रुपये अर्थात $5x = 9600$ आधार पर x निकाले

$\therefore\ 5x = 9600$

$x = 1920$

मासिक व्यय $= 4x = 4 \times 1920 = 7680$ रुपये

अनिल का मासिक व्यय 7680 रुपये — $\therefore$ अनिल की बचत 1920 रुपये

अमन की आय का 4% = अनिल की आय का 7% है ।

$$\therefore\ \frac{4}{100} \times 3y = 9600 \times \frac{7}{100}$$

$$\therefore\ 12y = 9600 \times 7$$

$$\therefore\ y = \frac{9600 \times 7}{12} = 5600$$

अमन की आय $= 3y = 3 \times 5600 = 16{,}800$ रुपये

अमन का व्यय $= 2y = 2 \times 5600 = 11{,}200$ रुपये

$\therefore$ अमन की बचत $16{,}800 - 11{,}200 = 5{,}600$ रुपये

अमन की मासिक आय 16,800 रुपये — अमन की बचत 5,600 रुपये

अनिल की मासिक बचत 1,920 रुपये

कृति I : अमिता ने 35000 रुपयों में से कुछ राशि 4% और शेष राशि 5% ब्याज की दर से एक वर्ष के लिए निवेश की । उसे कुल ब्याज 1530 रु. मिला तो उसके द्‌वारा भिन्न-भिन्न ब्याज दर से जमा की राशि बताइए । उसे शब्दों में लिखिए ।

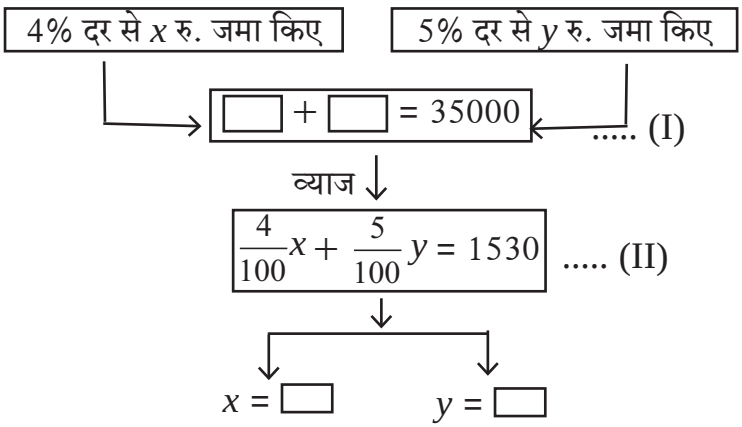

उपक्रम : (1) पालकों की सहायता से आपके घर का साप्ताहिक जमाखर्च लिखिए । उसके लिए खर्च के प्रकार का स्तंभ तैयार कीजिए । अनाज, शिक्षा, वैद्यकीय खर्चा, यात्रा, कपड़े, जूते और अन्य खर्च आदि चीजों का विचार करके सारे खर्च लिखिए । जमा रकम में, घर खर्चे के लिए मिली हुई रकम, शेष राशि और कुछ नई प्राप्ति रकम दर्ज कीजिए ।

(2) अवकाश के दौरान पूरे महिने का जमाखर्च लिखिए ।

पृष्ठ 52 का गोविंद के जमाखर्च का अध्ययन कीजिए ।

कृति II : असिंचित भूमि धारी किसान की आय बढ़ाने के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं क्या ? इसपर चर्चा करे । कुछ विद्यार्थियों की राय नीचे दी गई है ।

सोहेल : किसानों को कृषि उपज बिक्री के पश्चात ही पैसे मिलते हैं । उसके मुनाफे का उपयोग साल भर हो इसलिए अर्थनिवेश अत्यंत आवश्यक है ।

प्रकाश : कृषि उपज को योग्य मूल्य मिलेगा तब आय बढ़ेगी ।

नर्गिस : अर्थशास्त्र के नियमानुसार अगर किसी वस्तु की आपूर्ति माँग से अधिक हो तो उस वस्तु का मूल्य कम हो जाता है और एक बार मूल्य कम हो गया तो लाभ कम ही होगा ।

रीटा : यदि उत्पन्न अधिक हुआ और दर कम होने की संभावना हो तो कुछ उपज को संचित कर रख दे और सही समय पर बाजार दर में वृद्धि होने के पश्चात बिक्री के लिए निकालें ।

आझम : उसके लिए गोदाम सुसज्ज होने चाहिए ।

रेश्मा : किसानों को आसानी से कम ब्याज दर पर कर्ज मिलना चाहिए ।

वत्सला : दुध और कुक्कुटपालन (मुर्गीपालन)जैसे कृषिपूरक व्यवसाय करें तो कुछ अधिक आय मिल सकती है, इसके अलावा जानवरों के मलमूत्र से अच्छी सेंद्रिय खाद भी मिलेगी ।

कुणाल : कृषि उपज पर प्रक्रिया करने वाले कारखाने खोलें और शरबत, जॅम, आचार, दूध, सब्जियाँ, फलों का गूदा आदि ऐसी वस्तुओं को व्यवस्थित पॅकींग कर रखा जाए तो वर्ष भर बेचा जा सकता है । निर्यात योग्य वस्तुओं का अधिक उत्पादन लेना चाहिए ।

प्रश्नसंग्रह 6.1

1. अलका प्रतिमाह भेजी जाने वाली राशि में से 90% राशि खर्च करती है और प्रतिमाह 120 रुपयों की बचत करती है तो उसे भेजी जाने वाली राशि ज्ञात कीजिए ।
2. सुमित ने 50,000 रुपये पूँजी लगाकर खाद्य व्यंजनों का व्यवसाय शुरू किया । उसमें से उसे पहले साल 20% हानि हुई । शेष पूँजी में से दूसरे साल उसने मिठाई का व्यवसाय शुरू किया उसमें उसे 5% लाभ हुआ तो मूल पूँजी पर उसे कितने प्रतिशत हानि या लाभ हुआ ?
3. निखिल ने अपने मासिक आय में से 5% बच्चों की शिक्षा के लिए खर्च किए, 14% हिस्सा शेअर्स में निवेश किया, 3% हिस्सा बैंक में जमा किया और 40% हिस्सा दैनिक खर्चा करने हेतु इस्तेमाल किया । निवेश और व्यय घटाने पर उसके पास 19,000 रुपये शेष रह गए तो उसकी मासिक आय ज्ञात कीजिए ।
4. सय्यदभाई ने अपनी कुल आय में से 40,000 रुपये 8% चक्रवृद्धि व्याज दर से 2 सालों के लिए बैंक में निवेश किए । श्री फर्नांडीस ने 1,20,000 रुपये म्युच्युअल फंड में 2 सालों के लिए निवेश किए । 2 सालों बाद श्री फर्नांडीस को 1,92,000 रुपये प्राप्त हुए तो सय्यदभाई तथा श्री फर्नांडीस इनमें से किसका निवेश अधिक लाभदायी होगा ?
5. समीरा ने अपनी कुल आय राशि में से 3% आय सामाजिक कार्य के लिए दिए और 90% आय खर्च किए । उसके पास 1750 रुपये शेष रह गए तो उसकी मासिक आय ज्ञात कीजिए ।

आओ चर्चा करें

'कर' की संकल्पना स्पष्ट करते हुए उसके प्रकार संबंधी जानकारी नीचे दी गई वेबसाईट पर प्राप्त करें ।

ICT Tools or Links — www.incometaxindia.gov.in, www.mahavat.gov.in

आओ, जानें

कर निर्धारण

राष्ट्र निर्माण के लिए सरकार योजनाएँ बनाती है । इन योजनाओं की कार्यवाही के लिए सरकार को भारी राशि की आवश्यकता होती है । अनेक प्रकार के टैक्स का निर्धारण करके यह राशि इकट्ठा की जाती है ।

कर की उपयुक्तता (Utility of taxes)

- मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति करना ।
- विविध हितकारी योजनाओं पर अमल करना ।
- विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्य और संशोधन संबंधित योजनाओं को क्रियान्वित करना ।
- कानून और व्यवस्था का पालन करना ।
- प्राकृतिक विपदा से ग्रस्त लोगों की सहायता करना ।
- राष्ट्र और नागरिकों की सुरक्षा करना आदि ।

करों के प्रकार (Types of taxes)

प्रत्यक्ष कर (Direct taxes)	अप्रत्यक्ष कर (Indirect taxes)
जिस कर का भार प्रत्यक्ष रूप में करदाता पर आता है उस कर को प्रत्यक्ष कर कहते हैं ।	जिस कर का भार प्रत्यक्ष रूप में करदाता पर नहीं आता है उस कर को अप्रत्यक्ष कर कहते हैं ।
उदा. आयकर, संपत्ति-कर, व्यवसाय कर आदि ।	उदा. केंद्रीय विक्री कर, मूल्यवर्धित कर, आबकारी कर, सीमा शुल्क, सेवाशुल्क आदि ।

2017 साल में जिस प्रकार से कर निर्धारित किया गया है उसके अनुसार वे प्रकार उपरोक्त दर्शाए हैं ।

उपक्रम : विविध प्रकार के कर अदा करने वाले नौकरीपेशा अथवा व्यापारियों द्वारा विभिन्न कर की जानकारी लें।

आओ, जानें

आयकर (Income tax)

व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य सरकारमान्य उद्‌योग द्‌वारा भारत में प्राप्त आय, आयकर अधिनियम द्‌वारा निर्धारित सीमा से अधिक होगा तो उसपर आयकर का निर्धारण किया जाता है ।

इस प्रकरण में हम प्रत्यक्ष करों में से सिर्फ व्यक्तियों द्‌वारा दिए जाने वाले आयकर का ही विचार करेंगे । आयकर का निर्धारण केंद्र सरकार द्‌वारा होता है ।

भारत में आयकर निर्धारण दो अधिनियमों द्‌वारा किया जाता है ।

(1) आयकर कानून 1961 दिनांक 01.04.1962 से लागू हुआ है ।

(2) प्रति वर्ष संसद द्‌वारा पारित आर्थिक प्रावधान करने वाला कानून ।

साधारणतः प्रतिवर्ष फरवरी महीने में वित्तमंत्री द्‌वारा आगामी आर्थिक वर्ष के लिए आर्थिक प्रावधान कराने हेतु बजट प्रस्तुत किया जाता है । इसमें आयकर की दर सूचित की जाती है । संसद द्‌वारा बजट मंजूर करने पर यह दर आगामी वर्ष के लिए लागू हो जाती है ।

आयकर दर प्रति वर्ष के अर्थसंकल्प (बजट) में निर्धारित किए जाते हैं ।

आयकर से संबंधित महत्वपूर्ण बातें :

- **करदाता** (An assessee) : आयकर नियमावली में समाविष्ट नियमानुसार जिस व्यक्ति को आयकर अदा करना अपेक्षित है उस व्यक्ति को 'करदाता' कहते हैं ।
- **वित्तीय वर्ष** (Financial year) : जिस एक वर्ष की कालावधि में आय प्राप्त होती है, उस वर्ष को 'वित्तीय वर्ष' कहा जाता है । हमारे देश में 1 अप्रैल से 31 मार्च यह वित्तीय वर्ष निर्धारित किया गया है ।
- **कर निर्धारण वर्ष** (Assessment year) : वित्तीय वर्ष के संलग्न आगामी वित्तीय वर्ष को 'कर निर्धारण वर्ष' कहते हैं । चालू वर्ष में पिछले वित्तीय वर्ष के लिए कर निर्धारण निश्चित किया जाता है ।

'आर्थिक वर्ष' और 'संबंधित कर निर्धारण वर्ष' नीचे दर्शाए गए हैं ।

आर्थिक वर्ष (Financial Year)	संबंधित कर निर्धारण वर्ष (Assessment Year)
2016-17 अर्थात 01-04-2016 से 31-03-17	2017-18
2017-18 अर्थात 01-04-2017 से 31-03-18	2018-19

- **स्थायी खाता क्रमांक** (PAN) : प्रत्येक व्यक्ति द्‌वारा आवेदन करने पर आयकर विभाग से एक विशेष रूप से दस अंकाक्षर का क्रमांक दिया जाता है । इसे '**स्थायी खाता क्रमांक**' अर्थात 'Permanent Account Number (PAN)' कहते हैं । अनेक महत्वपूर्ण दस्तावेजों और आर्थिक व्यवहारों में यह क्रमांक दर्ज करना आवश्यक होता है ।

पैनकार्ड का उपयोग : आयकर विभाग में कर अदा करने के लिए चलन, कर विवरण पत्र (रिटर्न फार्म) आदि पत्र व्यवहारों पर पैन क्रमांक लिखना बंधनकारक है । बड़े वित्तीय व्यवहार करने के लिए पैन दर्ज करना आवश्यक है । कई बार पैनकार्ड का उपयोग परिचय प्रमाण (Identity proof) के रूप में भी किया जाता है ।

आओ, जानें

आयकर का निर्धारण

आयकर का निर्धारण आय पर होने के कारण आय के विविध स्रोत समझना आवश्यक है ।

आय के मुख्यतः पाँच स्रोत हैं :

(1) वेतन द्वारा प्राप्त होने वाली आय (2) घर संपत्ति से प्राप्त होने वाली आय

(3) धंधा और व्यवसाय से मिलने वाली आय (4) पूँजी लाभ से (Capital gain) प्राप्त आय

(5) अन्य स्रोत से प्राप्त होने वाली आय

वेतन भोगी व्यक्ति के आयकर की गणना के लिए महत्त्वपूर्ण बातें :

आयकर गणना के लिए कुल वार्षिक आय पर विचार करते हैं । आयकर अधिनियम 80C, 80D, 80G आदि के अनुसार कुल वार्षिक आय में कुछ छूट मिलती है । इस छूट के पश्चात जो आय शेष बचती है उसे **'कर योग्य आय'** कहा जाता है । आयकर का निर्धारण इस आय पर ही होता है ।

कर निर्धारण नियम कभी-कभी बदले जाते हैं इसलिए प्रत्यक्ष कर निर्धारण करते समय अद्यावत नियमों की जानकारी आवश्यक होती है ।

कर योग्य आय में से कुछ मर्यादित राशि पर कर निर्धारण नहीं किया जाता । इस रकम को कर योग्य आय की **मूल छूट रकम** कहा जाता है ।

- किसानों को कृषि उपज की आय पर आयकर छूट मिलती है ।
- आयकर धारा 80 G द्वारा प्रधानमंत्री सहायता कोष, मुख्यमंत्री सहायता कोष अथवा मान्यता प्राप्त संस्थाओं को दान देने पर आयकर में 100% छूट मिलती है ।
- 80 D कलम द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य बीमा की किश्त पर छूट मिलती है ।
- सामान्य रूप से निवेश पर धारा 80C द्वारा विविध प्रकार के निवेशों में से अधिक-से-अधिक 1,50,000 रुपये तक की छूट मिलती है ।

2017-18 के बजट के अनुसार जिनके वार्षिक उत्पन्न में छूट दर्शाई जाती है, ऐसे महत्त्वपूर्ण निवेश निम्नलिखित आकृति द्वारा दर्शाए गए हैं ।

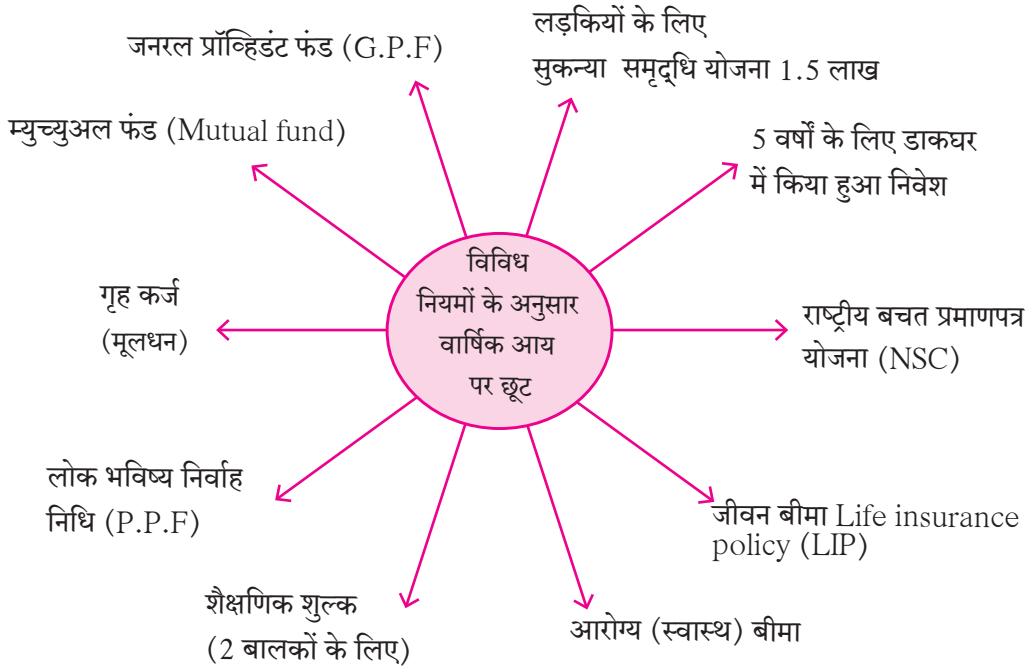

करदाता की आयु के अनुसार आयकर प्रति वर्ष अर्थ संकल्प (बजट) में निर्धारित की जाती है ।
आय के आधार पर आयकर दर्शाने वाली तालिका नीचे दी गई है ।

सारिणी I

60 वर्ष आयु तक के व्यक्ति			
कर योग्य आय के पायदान (रुपयों में)	प्राप्ति कर (आयकर)	शिक्षा उपकर	माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा उपकर
2,50,000 तक	कर मुक्त	कर मुक्त	कर मुक्त
2,50,001 से 5,00,000	5 प्रतिशत (कर योग्य आय में से ढाई लाख की राशि घटाने के पश्चात बची हुई राशि पर)	आयकर का 2 प्रतिशत	आयकर का 1 प्रतिशत
5,00,001 से 10,00,000	₹ 12,500 + 20 प्रतिशत (कर योग्य आय में से पाच लाख की राशि घटाने के पश्चात बची हुई राशि पर)	आयकर का 2 प्रतिशत	आयकर का 1 प्रतिशत
10,00,000 से अधिक	₹ 1,12,500 + 30 प्रतिशत (कर योग्य आय में से दस लाख की राशि घटाने के पश्चात बची हुई राशि पर)	आयकर का 2 प्रतिशत	आयकर का1 प्रतिशत
(वार्षिक उत्पन्न 50 लाख रुपयों से एक करोड़ रुपयों के बीच होने वाले को आयकर का 10 प्रतिशत सरचार्ज और वार्षिक उत्पन्न एक करोड़ रुपयों से अधिक होने वाले को आयकर का 15 प्रतिशत सरचार्ज)			

कृति : उपरोक्त सारिणी (I) का निरीक्षण कीजिए और निम्नलिखित उदाहरणों के चौखट में योग्य संख्या लिखिए ।

उदा. ● मेहता की वार्षिक आय साडेचार लाख रुपये है । उन्होंने अपने आय में से छुट मिलने वाली कोई भी बचत नहीं की हो तो उनकी कर योग्य आय किस पायदान में समाविष्ट होगी ? ☐

● उन्हें कितनी राशि पर कितने प्रतिशत दर से कर देना पड़ेगा ? ₹ ☐ पर ☐ दर से

● उपकर कितनी रकम पर निर्धारित किया जाएगा ? ☐

सारिणी II

ज्येष्ठ नागरिक (आयु वर्ष साठ से अस्सी वर्ष)			
कर योग्य आय के पायदान (रुपयों में)	प्राप्ति कर (आयकर)	शिक्षा उपकर	माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा उपकर
3,00,000 तक	कर मुक्त	कर मुक्त	कर मुक्त
3,00,001 से 5,00,000	5 प्रतिशत (कर योग्य आय में से तीन लाख की राशि घटाने के पश्चात बची हुई राशि पर)	आयकर का 2 प्रतिशत	आयकर का 1 प्रतिशत
5,00,001 से 10,00,000	₹ 10,000 + 20 प्रतिशत (कर योग्य आय में से पाँच लाख की राशि घटाने के पश्चात बची हुई राशि पर)	आयकर का 2 प्रतिशत	आयकर का 1 प्रतिशत
10,00,000 से अधिक	₹ 1,10,000 + 30 प्रतिशत (कर योग्य आय में से दस लाख की राशि घटाने के पश्चात बची हुई राशि पर)	आयकर का 2 प्रतिशत	आयकर का 1 प्रतिशत
(वार्षिक आय 50 लाख रुपयों से एक करोड़ रुपयों के बीच होने वाले को आयकर का 10 प्रतिशत सरचार्ज और वार्षिक उत्पन्न एक करोड़ रुपयों से अधिक होने वाले को आयकर का 15 प्रतिशत सरचार्ज)			

कृति : सारिणी II की सहायता से निम्नलिखित कृति पूर्ण कीजिए ।

उदा. पंडित की आयु 67 वर्ष की है । पिछले साल उनकी वार्षिक आय 13,25,000 रुपये थी तो उनकी कर योग्य आय कितनी होगी ? उन्हें कितना आयकर भरना पड़ेगा ?

13,25,000 – 10,00,000 = 3,25,000

उन्हें सारिणी के अनुसार 1,10,000 रुपये कर देना पड़ेगा । इसके अलावा 3,25,000 रुपयों पर 30% अर्थात

$3,25,000 \times \frac{30}{100} =$ ☐ रु. आयकर भरना पड़ेगा

अर्थात् आयकर की राशि ☐ + ☐ = ☐

आयकर का 2% शिक्षा उपकर अर्थात ☐ $\times \frac{2}{100} =$ ☐.

आयकर का 1% माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा कर भरना पड़ेगा अर्थात ☐ $\times \frac{1}{100} =$ ☐

∴ कुल आयकर = आयकर + शिक्षा उपकर + माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा कर

= ☐ + ☐ + ☐

= ₹ 2,13,725

सारिणी III

वरिष्ठ नागरिक (आयु वर्ष 80 वर्ष से अधिक)			
उत्पन्न के पायदान (रुपयों में)	प्राप्ति कर (आयकर)	शिक्षा उपकर	माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा उपकर
5,00,000 तक	कर मुक्त	कर मुक्त	कर मुक्त
5,00,001 से 10,00,000	20 प्रतिशत (कर योग्य आय में से पाँच लाख की राशि घटाने के पश्चात बची हुई राशि पर)	आयकर का 2 प्रतिशत	आयकर का 1 प्रतिशत
10,00,000 से अधिक	₹ 1,00,000 + 30 प्रतिशत (कर योग्य आय में से दस लाख की राशि घटाने के पश्चात बची हुई राशि पर))	आयकर का 2 प्रतिशत	आयकर का 1 प्रतिशत
(वार्षिक उत्पन्न 50 लाख रुपयों से एक करोड़ रुपयों के बीच होने वाले को आयकर का 10 प्रतिशत सरचार्ज और वार्षिक उत्पन्न एक करोड़ रुपयों से अधिक होने वाले को आयकर का 15 प्रतिशत सरचार्ज)			

उपक्रम : 80C, 80G, 80D इन अधिनियमों की जानकारी लें ।
पैनकार्ड देखें और उसपर लिखित जानकारी को लेकर टिप्पणी लिखिए ।
नकद रहित (Cashless) व्यवहार के लिए उपयोग में आने वाले साधनों की जानकारी लीजिए ।

उपरोक्त सारिणियों और व्यक्तियों को प्राप्त विविध प्रकार की छूटों का उपयोग कर के आयकर की गणना किस प्रकार की जाती है, यह निम्नलिखित उदाहरणों द्वारा समझेंगे ।

उदा. (1) श्री म्हात्रे जी की आयु 50 वर्ष है । उनकी कुल वार्षिक आय 12,00,000 रुपये हैं । उन्होंने निम्नलिखित निवेश किया ।

(i) बीमा की किश्त : ₹ 90,000 (ii) भविष्य निर्वाह निधि निवेश : ₹ 25,000

(iii) सार्वजनिक भविष्य निर्वाह निधि : ₹ 15,000 (iv) राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र योजना : ₹ 20,000

इससे आयकर के लिए मान्य होने वाली कटौती, कर योग्य आय और आयकर ज्ञात कीजिए ।

हल : (1) कुल वार्षिक आय = 12,00,000 रुपये है ।

(2) 80C के अनुसार कुल निवेश

निवेश	रकम (रुपये)
(i) बीमा किश्त	90,000
(ii) भविष्य निर्वाह निधि	25,000
(iii) सार्वजनिक भविष्य निर्वाह निधि	15,000
(iv) राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र योजना	20,000
कुल	1,50,000

नियम 80C के अनुसार आयकर के लिए अधिक-से-अधिक 1,50,000 रुपयों की कटौती मान्य होती है ।

(3) ∴ कर योग्य आय = [1] की रकम – [2] की रकम

= 12,00,000 – 1,50,000 = 10,50,000

(4) श्री म्हात्रे द्वारा भरी जाने वाली आयकर की गणना सारिणी (I) की सहायता से करते हैं ।

श्री म्हात्रे की कर योग्य आय = ₹10,50,000 अर्थात दस लाख से अधिक है ।

∴ सारिणी (I) के अनुसार आयकर = ₹ 1,12,500 + 30% (कुल आय से दस लाख रुपये घटाने के बाद आय पर 30%)

∴ 10,50,000 – 10,00,000 = 50,000

∴ आयकर = $1,12,500 + 50,000 \times \frac{30}{100}$

= 1,12,500 + 15,000

= 1,27,500

इसके अतिरिक्त 2% शिक्षा उपकर और 1% माध्यमिक एवं उच्चशिक्षा उपकर इनका भी समावेश करना पड़ेगा।

शिक्षा उपकर = $1,27,500 \times \frac{2}{100}$ = 2550 रुपये

माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा उपकर = $1,27,500 \times \frac{1}{100}$ = 1275 रुपये

∴ कुल आयकर = 1,27,500 + 2550 + 1275 = 1,31,325 रुपये

श्री म्हात्रे द्वारा दिया जाने वाला कुल आयकर = 1,31,325 रुपये

उदा. (2) अहमदभाई एक ज्येष्ठ नागरिक हैं, जिनकी आयु 62 वर्ष है । वे एक कंपनी में नौकरी करते हैं । उनकी कुल वार्षिक आय 6,20,000 रुपये है । उन्होंने सार्वजनिक भविष्य निर्वाह निधि में 1,00,000 रुपयों का निवेश किया है । इसी प्रकार बीमा की वार्षिक किश्त 80,000 रुपयों का निवेश किया और मुख्यमंत्री सहायता कोष में 10,000 रुपये दिया तो अहमदभाई ने कितना आयकर अदा किया ?

हल : (1) कुल वार्षिक आय = 6,20,000 रुपये

(2) कुल कटौती (नियम 80C तहत)

(i) सार्वजनिक भविष्य निर्वाह निधि = 1,00,000 रुपये

(ii) बीमा = 80,000 रुपये

1,80,000 रुपये

(iii) 80C के अनुसार अधिक-से-अधिक 1,50,000 रुपये कटौती मान्य ।

(3) मुख्यमंत्री सहायता कोष को दी गई राशि (80 G के अनुसार कटौती) = 10000 रुपये ।

(4) कर योग्य आय = (1) – [(2) + (3)]

= 6,20,000 – [1,50,000 + 10000]

= 4,60,000 रुपये

सारिणी (II) के अनुसार कर योग्य आय तीन लाख से पाँच लाख रुपये तक मर्यादित है ।

$\therefore$ आयकर = (कर योग्य आय – 3,00,000)$\times \frac{5}{100}$

= (4,60,000 – 3,00,000)$\times \frac{5}{100}$

= 1,60,000 $\times \frac{5}{100}$

= 8000 रुपये

शिक्षा उपकर यह आयकर पर अदा किया जाता है, इसलिए

शिक्षा उपकर : 8,000 $\times \frac{2}{100}$ = 160 माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा उपकर : 8,000$\times \frac{1}{100}$ = 80

$\therefore$ कुल आयकर = 8000 + 160 + 80 = ₹ 8,240

$\therefore$ अहमदभाई ने कुल 8240 रुपये आयकर अदा किया ।

उदा. (3) श्रीमती हिंदुजा की आयु 50 वर्ष है । उनकी कर योग्य आय 16,30,000 रुपये है तो उन्हें कुल कितना आयकर अदा करना पड़ेगा ?

हल : श्रीमती हिंदुजा की कर योग्य आय दस लाख से अधिक वाले पायदान में है ।

अब हम सारिणी I की सहायता से उनके आयकर राशि की गणना करते हैं ।

सारिणी I के अनुसार, दस लाख से अधिक आय के लिए

आयकर = रु. 1,12,500 + (कुल आय में दस लाख घटाने के बाद की राशि पर 30%)

श्रीमती हिंदुजा की आय – दस लाख $= 16,30,000 - 10,00,000$

$= 6,30,000$ रुपये

सारिणी I से

$$\text{आयकर} = 1,12,500 + 6,30,000 \times \frac{30}{100}$$

$$= 1,12,500 + 30 \times 6,300$$

$$= 1,12,500 + 1,89,000$$

$$= 3,01,500 \text{ रुपये}$$

उसपर 1% माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा उपकर $= \frac{1}{100} \times 3,01,500 = ₹\ 3015$

2% शिक्षा उपकर $= \frac{2}{100} \times 3,01,500 = ₹\ 6030$

$\therefore$ कुल आयकर $= 3,01,500 + 3015 + 6030$

$= 3,10,545$

$\therefore$ श्रीमती हिंदुजा को लगने वाला कुल आयकर 3,10,545 रुपये

प्रश्नसंग्रह 6.2

(1) नीचे दी हुई सारिणी का निरीक्षण कीजिए । सारिणी में दिए हुए व्यक्तियों की कर योग्य आय पर आयकर अदा करना पड़ेगा या नहीं, बताइए ।

अ.क्र.	व्यक्ति	आयु	कर योग्य आय (₹)	आयकर अदा करना पड़ेगा अथवा नहीं
(i)	कु. निकिता	27	₹ 2,34,000	
(ii)	श्री कुलकर्णी	36	₹ 3,27,000	
(iii)	श्रीमती मेहता	44	₹ 5,82,000	
(iv)	श्री बजाज	64	₹ 8,40,000	
(v)	श्री डिसिल्व्हा	81	₹ 4,50,000	

(2) श्री करतारसिंह (आयु 48 वर्ष) प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं । यात्रा भत्ता (प्रवास भत्ता) छोड़कर उनका मासिक वेतन 42,000 रुपये है । वे भविष्य निर्वाह निधि खाते में प्रतिमाह 3000 रुपये जमा करते हैं । उन्होंने 15,000 रुपयों का राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र लिया है और उन्होंने 12000 रुपये का दान प्रधानमंत्री सहायता कोष को दिया है उनके आयकर की गणना कीजिए ।

प्रकीर्ण प्रश्नसंग्रह 6

(1) निम्नलिखित में से योग्य विकल्प चुनकर लिखिए ।

(i) विभिन्न प्रकार के निवेशों के लिए 80 C नियमों के अनुसार आयकर की गणना के लिए अधिक-से-अधिक कितने रुपयों की छूट मिलती है ।

(A) डेढ़ लाख रुपये (B) ढ़ाई लाख रुपये (C) एक लाख रुपये (D) दो लाख रुपये

(ii) एक व्यक्ति का सन 2017-18 में प्राप्त आय का कर निर्धारण वर्ष निम्नलिखित में से कौन-सा है ?

(A) 2016-17 (B) 2018-19 (C) 2017-18 (D) 2015-16

(2) श्री शेखर अपनी आय का 60% खर्च करते हैं । शेष आय में से 300 रुपये अनाथालय को दान देते हैं । उसके पश्चात इनके पास 3,200 रुपये शेष रहते हैं तो उनकी आय ज्ञात कीजिए ।

(3) श्री हीरालाल ने 2,15,000 रुपयों का निवेश म्युच्युअल फंड में किया । उसके 2 वर्ष बाद उन्हें 3,05,000 रुपये प्राप्त हुए । श्री रमणिकलाल ने 1,40,000 रुपये 8% की चक्रवृद्धि ब्याज कि दर से 2 वर्षों के लिए बैंक में निवेश किया तो प्रत्येक को कितने प्रतिशत लाभ हुआ ? किसका निवेश अधिक लाभदायक था ?

(4) एक बचत खाते में वर्ष के आरंभ में 24,000 रुपये थे । उसमें 56,000 रुपये और जमा करके कुल रकम 7.5% चक्रवृद्धि ब्याज की दर से बैंक में निवेश किए । 3 वर्ष बाद कुल कितनी राशि प्राप्त होगी ?

(5) श्री मनोहर ने अपनी आय का 20% हिस्सा अपने बड़े बेटे को और 30% हिस्सा अपने छोटे बेटे को दिया । शेष राशि का 10% रकम एक विद्यालय को दान दिया । उनके पास 1,80,000 रुपये शेष रह गए तो श्री मनोहर की आय ज्ञात कीजिए ।

(6*) कैलाश की आय का 85% खर्चा होता था । उनकी आय 36% बढ़ी तो उनका खर्च पहले के खर्च से 40% बढ़ गया । अब उसकी बचत का प्रतिशत ज्ञात कीजिए ।

(7*) रमेश, सुरेश और प्रीति इन तीनों की वार्षिक आय 8,07,000 रुपये है । वे तीनों अपनी आय का क्रमशः 75%, 80% और 90% हिस्सा खर्च करते हैं । यदि उनकी बचत का अनुपात 16 : 17 : 12 हो तो प्रत्येक व्यक्ति की वार्षिक बचत ज्ञात कीजिए ।

(8) निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा देय आयकर की गणना कीजिए ।

(i) श्री कदम की आयु 35 वर्ष है और उनकी कर योग्य आय 13,35,000 रुपये है ।

(ii) श्री खान की आयु 65 वर्ष है और उनकी कर योग्य आय 4,50,000 रुपये है ।

(iii) कु. वर्षा (आयु 26 वर्ष) इनका कर योग्य आय 2,30,000 रुपये है ।

ICT Tools or Links

भारत सरकार के www.incometaxindia.gov.in इस वेबसाइट पर जाकर उस साइट पर incometax calculator इस मेन्यू पर क्लिक कीजिए । उसपर आए फार्म में काल्पनिक आय और छूट की रकम लिखकर आयकर राशि निकालने का प्रयास कीजिए ।